इक राम का नाम ही बन्दे, संग तुम्हारे जायेगा

इक राम का नाम ही बन्दे, संग तुम्हारे जायेगा :-

इक राम का नाम ही बन्दे,
संग तुम्हारे जायेगा,
इस धरा का इस धरा पे,
सब धरा रह जायेगा,
इक राम का नाम ही--------।।

झूठे बंधन झूठे रिश्ते,
माया मोह की नगरी में,
साँस टूटी और रिश्ता टूटा,
कोई काम न आयेगा,
इक राम का नाम ही---------।।

पंचतत्व की कंचन काया,
मिट्टी ही होनी है इकदिन,
मुट्ठी बांधे आया जग में,
हाँथ पसारे जायेगा,
इक राम का नाम ही----------।।

राम नाम कलिकाल कल्पतरु,

भर ले झोली सुमिरन से,
चार लाखि चौरासी भव से,
बस सुमिरन पार लगायेगा,
इक राम का नाम ही--------।।

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

Source:
https://www.bharattemples.com/ik-ram-ka-naam-hi-bande--sang-tumhare-jayega/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw